उन्नत भारत अभियान

गतिविधि की रिपोर्ट

विश्व नम भूमि दिवस

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय

विद्याविहार, रायबरेली रोड, लखनऊ

विश्व नम भूमि दिवस

विश्व नम भूमि दिवस के अवसर पर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग एवं उन्नत भारत अभियान की टीम द्वारा मोहनलालगंज, लखनऊ में स्थित हुलास खेड़ा गांव का दौरा किया गया। गाँव में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती ममता संजीव दुबे, मुख्य सतर्कता अधिकारी, इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड थी। कार्यक्रम के दौरान श्री कमलेश कुमार, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, बाघ परियोजना, उत्तर प्रदेश, श्री नीरज कुमार, मुख्य वन संरक्षक, पारिस्थितिकी विकास, उत्तर प्रदेश, श्री रवि कुमार सिंह, संभागीय वन अधिकारी, लखनऊ, फारुख रहमान, राज्य कार्यक्रम निदेशक, वाटरएड, इंडिया, प्रो. वेंकटेश दत्ता एवं प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा, डीन एवं विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बीबीए विश्वविद्यालय उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में प्रो. वेंकटेश दत्ता ने नम भूमि की महत्वता के बारे में बताया कि वेटलैंड हमारे पर्यावरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो की मानव गतिविधियों और दोहन के कारण दूषित और अपघटित होता जा रहा है, उनके संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि जब तक लोग जागरूक नहीं होंगे तब तक नम भूमि का संरक्षण नामुमकिन है।

प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा जी ने वहां के लोगों को गांव के विकास के लिए या जल संरक्षण के लिए सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होन वहां के लोगो को बताया की कैसे आर्द्रभूमि को संरक्षित करने के लिए हम प्रवासी पक्षियों को एक स्वच्छ वातावरण दे सकते हैं, जो कि हमारी परिस्थितिकी का एक अभिन्न हिस्सा है। जिससे वहां हम पर्यटकों को आकर्षित करके करेला झील को और महानवपूर्ण बनाना सकते है। उन्होंने कहा कि हुलास खेड़ा गाँव की नम भूमि संरक्षण के लिए बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।

श्रीमती ममता दुबे जी ने नम भूमि के संग्रह के लिए लोगों को सामूहिक रूप से जुड़ने और कार्य करने के लिए कहा जिससे कि वहां विकास के साथ-साथ पर्यटन स्थल बनाया जा सके। उन्होंने गांव के लोगों को समझाया कि नम भूमि का संरक्षण करना वहां की लोगों के लिए लाभदायक है जिससे कि गाँव की प्रगति होगी और भविष्य में लोगों को रोजगार प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा।

श्री रवि सिंह ने करेला झील के कम होते जल स्तर से अवगत कराते हुए वहां वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण करने का प्रस्ताव रखा जिसके अंतर्गत बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के शोध छात्र छात्राओं को जोड़कर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री नीरज जी ने लोगों को बताया कि कैसे कीटनाशक का प्रयोग न करते हुए जैवउर्वरक का इस्तेमाल कर वहां की नम भूमि तथा कृषि भूमि का बचाव कर सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में श्री अरविंद मिश्रा, रेंजर अधिकारी, मोहनलालगंज, लखनऊ ने धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।













